प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मांडू में सर्वसुविधायुक्त साप्ताहिक हाट बाजार किया जा रहा विकसित

मांडू । ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सर्व सुविधा युक्त हाट बाजारों का निर्माण किया जा रहा है। मांडू में निर्मित हाट बाजार को जिले का पहला ऐसा बाजार माना जा रहा है, जो आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

मांडू नगर के वार्ड क्रमांक 4 में शनिवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार को सुव्यवस्थित करने एवं आवागमन को सुगम बनाने तथा नागरिकों की सुविधाओं के दृष्टिगत रखते हुए मांडू नगर परिषद, के सहयोग से इसके कायाकल्प का आज भूमि पूजन कार्यक्रम रखा गया जिसमें विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं।

भूमिपूजन के अवसर पर चतुर्भुज राम मंदिर के महामंडलेश्वर पीठाधीश्वर डॉक्टर नरसिंह दास महाराज, मांडू नगर परिषद अध्यक्ष मालती गावर वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद ज्योति तिवारी, सीएमओ सुशील ठाकुर सहित 15 वार्ड के पार्षद और नगर के जनप्रतिनिधि और नगर वासियों की उपस्थिति में आज 72 लख रुपए की लागत से बनने वाले इस नवीन है बाजार के कायाकल्प का भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर आचार्य पंडितों ने पूजन अर्चन कर विधिवत का भूमि पूजन कराया, वार्ड की पार्षद ने इस बाजार को लेकर जो संकल्प लिया था वह आज पूरा हो गया काम शुरू होने के बाद,मांडू शहर के विकास में एक नई कड़ी जुड़ गई है। उन्होंने कहा कि अब शहर में बदलाव साफ दिखाई देने लगा है और आने वाले 1 वर्षों में शहर का कायाकल्प होकर यह और अधिक सुंदर व व्यवस्थित बनेगा।शासकीय योजनाओं और निर्माण कार्यों से ही शहर सुंदर नहीं बनता, बल्कि इसके लिए नागरिकों की जागरूकता भी आवश्यक है। नगरवासियों को शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी स्वयं लेनी होगी। उन्होंने अपील की कि कचरा इधर-उधर न फेंककर कूड़ेदान या डस्टबिन में डालने की आदत विकसित करनी चाहिए और सभी को इसके लिए संकल्प लेना होगा।

मांडू नगर परिषद का संकल्प, हर वार्ड का गांव मैं सड़क बिजली पानी मिले, सर्व सुविधा युक्त इस गांव को नए हाट बाजार की सौगात मिली है, जिसमें 24 दुकानें तैयार की जा रही हैं। यह बाजार आसपास की बड़ी आबादी के लिए हाट बाजार का प्रमुख केंद्र बनेगा। वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद ज्योति तिवारी ने बताया कि इस हाट बाजार से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार के नए अवसर मिलेंगे।

अजजा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जयराम गावर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मांडू नगर परिषद क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य, बिजली, शिक्षा और अन्य सभी बुनियादी सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहेगी। छोटे-छोटे गांवों को भी पक्की सड़क से जोड़ा जा रहा है। यह बाजार स्थानीय नगर गांव और मजरे के ग्रामीणों के लिए एक स्थायी और सुलभ व्यापारिक स्थल बनेगा, जिससे न केवल उन्हें अपनी सामग्री बेचने की सुविधा मिलेगी, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगा। हाट बाजार बनने से मांडू के 15 वार्ड और आसपास के ग्रामीणों को दैनिक उपयोग की वस्तुओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। किसान अपनी सब्जी, फल और अन्य उत्पादों को सीधे बाजार में बेच सकेंगे, जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी और आमदनी में इजाफा होगा।

ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे गांव का आर्थिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित होगा। अगर किसान सीधे उपभोक्ता से जुड़ेगा तो बिचौलिया हटेगा, उपभोक्ता को सस्ता और शुद्ध सामान मिलेगा और किसान को भी सही दाम मिलेंगे.बाजार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण कारीगरों, किसानों और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक बेचने के लिए एक स्थायी और आधुनिक मंच प्रदान करना है, जिससे बिचौलियों की भूमिका कम हो। वही मंदिर के महामंडलेश्वर डॉक्टर नरसिंह दास महाराज ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस साप्ताहिक हाट बाजार के बनने से आने वाले पर्यटक और नगर वासियों को एक नई सौगात मिलेगी, इस बाजार के बनने के बाद व्यवसाय के लिए सर्व-सुविधा युक्त स्थल प्रदान करेगा। हाट बाजारों में पक्की दुकानें, शेड, पानी की व्यवस्था, पार्किंग और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं इसे नई पहचान देगी।

नए हाट बाजार की ये रहेंगी प्रमुख विशेषताएं और विवरण...

■ **कायाकल्प और आधुनिकीकरण :** नगर परिषद मांडू द्वारा स्थानीय व्यापारियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को देखते हुए हाट बाजार को आधुनिक रूप दिया जा रहा है।

■ **सुविधाएं :** नए बाजार में टीन शेड , रंगीन पेवर्स ब्लाक, और व्यवस्थित दुकानें बनाई जा रही हैं।

■ **उद्देश्य :** इस पहल का उद्देश्य बाजार को आकर्षक केंद्र बनाना और यहां आने वाले ग्रामीण विक्रेताओं व पर्यटकों को बेहतर सुविधा प्रदान करना है।

■ **स्थान :** यह प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मांडव में स्थित है, जहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं और हाट बाजार का लुत्फ उठाते हैं।

■ यह परियोजना स्थानीय पर्यटन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

■हाट बाजार की प्रमुख विशेषताएं (मांडू के जामा मस्जिद महल के पीछे)

■ **लागत :** 72 लाख रुपए की लागत से निर्मित।

■ **क्षेत्रफल :** 2 एकड़ में फैला हुआ।

■ **सुविधाएं:** 3 बड़े शेड, दुकान और साफ सफाई के साथ यहां पेयजल व्यवस्था की टंकी और सुरक्षा कर्मी के साथ पार्किंग की व्यवस्था इस बाजार में रहेगी आकर्षण का केंद्र।

■ **योजना** यह निर्माण % मांडू नगर परिषद द्वारा हाट बाजार योजना% के तहत किया गया है।

■ कार्यक्रम में यह लोग उपस्थित थे।

सीएमओ सुशील ठाकुर राजस्व निरीक्षक सादिक खान, सोमनाथ तिवारी, आचार्य पंडित शुभम त्रिवेदी, पंडित महेंद्र शर्मा, कृष्णा यादव, पार्षद मानसिंह गिनावा, पार्षद राजेश ठाकुर, पार्षद प्रतिनिधि रतन बामनिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्याम लिलर, बिल्डर शेख शरीफ उर्फ शेखा,हंसा सेन, सोनू यादव, विष्णु यादव कपिल पारीक राहुल सेन जयंत परिहारआदि नगर के जनप्रतिनिधियों के साथ नगर के ग्रामीण उपस्थित थे।

प्राचीन धरोहर हुई क्षतिग्रस्त

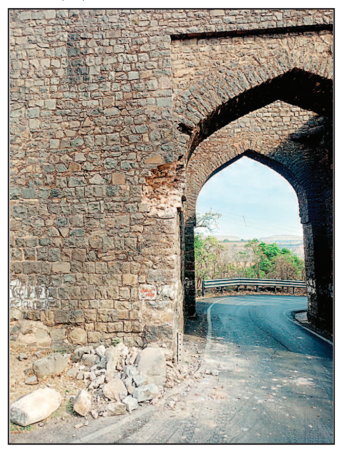

मांडू । विश्व पर्यटन नगरी मांडू यूं तो अपनी ऐतिहासिक इमारत के लिए मशहूर है इनहीं ऐतिहासिक इमारत में मांडू में प्रवेश करने के पहले प्राचीन समय में दरवाजा का निर्माण किया गया था जो आज भी अपनी गाथा बयां कर रही हैं। भारतीय पुरातत्व विभाग की लापरवाही के चलते कई बार यह दरवाजे क्षतिग्रस्त हो चुके हैं किंतु संबंधित वाहनों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई ऐसा ही वाक्य कल देखने को मिला प्राचीन दरवाजा जो कि गाड़ी दरवाजे के नाम से प्रसिद्ध है। अज्ञात वाहन द्वारा उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया संबंधित विभाग को कई बार नवभारत इस विषय को लेकर सचेत कर चुका है किंतु हर बार भारतीय पुरातत्व विभाग के लोग लीपा पोती कर भारतीय पुरातत्वविभाग की प्राचीन धरोहरों को अपनी प्राचीनता से विलुप्त करते जा रही है। वहीं प्राचीनता के नाम पर विकास नहीं होने देता है यह पुरातत्व विभाग ऐसा ही वाक्य रानी रूपमती पर स्थित नर्मदा कुंड का है एक और तो भारतीय पुरातत्व विभाग खुद लीपा पोती करता है वहीं दूसरी ओर कुंड पर हो रही नर्मदा परिक्रमावासियों को परेशानियां को अनदेखा करते हुए एमपी टूरिज्म को कुंड का सौंदर्य करण नहीं करने दिया जा रहा है।

एक नजर में

वरिष्ठ समाजसेवी सूरजदेवी गुप्ता का निधन भोड़ूसा परिवार में मातृ शोक

कुक्षी। नगर के प्रतिष्ठित भोड़ूसा परिवार और पोरवाड़ समाज की वरिष्ठ महिला सूरजदेवी गुप्ता का मंगलवार रात्री में 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वें धार्मिक प्रवृति की धनी होने के साथ ही वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र गुप्ता, दिनेश गुप्ता, महेश गुप्ता व बिल्डिंग मटेरियल व्यवसायी अशोक गुप्ता की माताजी थी। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में समाजजनों के साथ व्यवसायी, समाजसेवी, राजनेता, दाताहरी पब्लिक स्कूल परिवारआदि नगर के गणमान्य जनों नें शामिल होकर भावभीनी श्रदांजलि अर्पित की.अंतिम संस्कार नर्मदा तट कोटेश्वर में गायत्री पद्धति के साथ विधिविधान के साथ किया गया. मुखाग्नि जेष्ठ पुत्र राजेंद्र गुप्ता नें दी।

मुंबई में चमका बदनावर का सितारा, शक्तिसिंह चौहान बने युवाओं की प्रेरणा

बदनावर। नंदराम चोपड़ा स्कूल से पढ़े शक्ति सिंह चौहान, पिता चेतन सिंह चौहान, ने अपनी मेहनत, संघर्ष और अभिनय प्रतिभा के दम पर मुंबई की मनोरंजन दुनिया में खास पहचान बना ली है। शक्ति सिंह ने अपने बड़े पापा प्रेम सिंह चौहान के बदनावर स्थित निवास पर रहकर पढ़ाई की और यहीं से शिक्षा प्राप्त करते हुए अपने सपनों को आकार दिया। छात्र जीवन से ही मंच और अभिनय के प्रति उनका विशेष झुकाव रहा, जिसने आगे चलकर उन्हें मायानगरी मुंबई तक पहुंचाया। छोटे शहर से निकलकर उन्होंने टीवी, फिल्म और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दमदार मौजूदगी दर्ज कर बदनावर का नाम रोशन किया है। घरवाली पेड़वाली, जमाई नंबर 1, श्रीमद रामायण, वीर हनुमान और नयनतारा जैसे चर्चित धारावाहिकों में प्रभावशाली अभिनय के बाद अब वे अमेजन की आगामी वेब सीरीज दिल का क्या कसूर और द ब्यूरोक्रेटमें नजर आएंगे। बदनावर से मुंबई तक पहुंचने का उनका यह सफर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरक मिसाल बन गया है, जो बताता है कि छोटे शहरों से निकले सपने भी बड़े मंच पर चमक सकते हैं। आज उनकी उपलब्धि पूरे शहर के लिए गर्व का विषय है और नई पीढ़ी में बड़े लक्ष्य पाने का उत्साह जगा रही है।

रामी माली समाज की मालवा प्रांतीय बैठक

धार। श्री गुजराती रामी माली समाज मालवा प्रांत के अध्यक्ष यशवंत नेहरू ने बताया कि मालवा प्रांत के प्रतिनिधियों की बैठक बीजपुर के एक फार्म हाउस में आयोजित हुई। जिसमें समाज को सामाजिक तथा राजनीतिक दिशा देने के बारे में वक्ताओं ने वह अपने विचार प्रकट किया। स्थानीय विधायक श्री मधु वर्मा ने समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा अपनी ओर से यथोचित सहयोग देने के लिए कहा। महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान के राष्ट्रीय महासचिव रामनारायण चौहान ने संबोधित किया। उज्जैन नगर निगम के सभापति सत्यनारायण चौहान ने समाज को सामाजिक सुधार के लिए मार्गदर्शन किया, उन्होंने समाज की शक्ति प्रदर्शन करने की कार्य योजना बनाने का सुझाव दिया। पूर्व अध्यक्ष यादवलाल चौहान ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। वनमाली पत्रिका के संपादक गजानंद रामी ने समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। समाज की युवा टीम के अध्यक्ष दिलीप रजनोद ने सामाजिक और राजनीतिक विषय पर मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सोनकच्छ के राजेश बारोड एवं धार के राजेश हारोड़ को एल्डरमैन बनाए जाने पर उनका हार्दिक अभिनंदन किया गया। इसी प्रकार चिरोला के राजेश माली को युवा सेवा संघ के अध्यक्ष बनाए जाने पर सम्मान किया। आगर के वरिष्ठ कवि कैलाश पटेल ने सुंदर गीत गाकर समाज को जाग दिया। अध्यक्ष यशवंत नेहरू ने कुछ समितियां के पदाधिकारी का मनोनेमायन भी किया।

गेहूं खरीदी की तारीख बार-बार बढ़ाने पर किसानों में रोष

- भारतीय किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन
- आंदोलन की चेतावनी

मनावर। समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी की तारीख बार बार बढ़ाने पर किसानों में भारी रोष व्याप्त है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जहां सरकार किसानों की आय को दोगुना से आठ गुना तक बढ़ाने की बात कर रही। कृषि कल्याण वर्ष मना रही है।

चिंता की बात है कि सहकारी बैंकों द्वारा 0 फीसदी ब्याज पर सेवा सहकारी संस्था की ड्यू डेट 28 मार्च के बाद नहीं बढ़ाए जाने पर किसानों को साल भर का 7त्न ब्याज और 14 प्रतिशत दंड लग गया। इससे किसानों पर आर्थिक बोझ आ गया, क्योंकि सरकार ने गेहूँ खरीदी की तारीख 10 अप्रेल कर दी और सोसायटी के पैसे जमा करने की तिथि 28 मार्च को आगे नहीं बढ़ाया गया। ऐसे में किसान पैसे कहा से जमा करेंगे। बताया जाता है कि करीब 60त्न किसान डिफॉल्टर हो गए हैं। पिछले वर्ष के डिफाल्टर किसानों को सरकार द्वारा ब्याज की राशि वापस करने का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ है। उक्त बात भारतीय किसान संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को प्रेषित ज्ञापन में व्यक्त करते हुए कहा कि गेहूं के खापे (पराली) जलाने पर किसानों पर दंड करना बहुत ही गलत है। अन्नदाता को जेल भेजना एवं अर्थदंड लगना ठीक नहीं है। इससे प्रतीत होता है कि सरकार किसानों के प्रति गंभीर नहीं है। किसानों से देशद्रोही जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

> जो इस देश को अन्न उत्पादन कर देता है। हम देश के जवाबदार जन संघठन होने के नाते सरकार को यह चेतावनी देते हैं कि सरकार जब तक पराली के निष्पादन के लिए कोई स्थाई हल नहीं निकाल तब तक किसानों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाए ।किसानों ने दिन एक करके रात को कड़ाके की ठंड में मेहनत करके एवं सरकार के द्वारा उपलब्ध संसाधन से मध्य प्रदेश में गेहूँ का बंपर उत्पादन किया। इसलिए सरकार को 11 क्विंटल प्रतिबिघा के हिसाब से गेहूं की खरीदी समर्थन मूल्य पर करना चाहिए।

108 कुंडी महायज्ञ और मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आगाज

बदनावर। नगर के धार्मिक इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आगामी 7 मई से 15 मई तक आयोजित होने वाले भव्य 108 कुंडी महायज्ञ, श्री केदारेश्वर महादेव एवं वीर रंजीत हनुमान जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के निमित्त आज 8 अप्रैल को संकल्प के प्रतीक धर्म ध्वज की स्थापना अत्यंत हर्षोल्लास के साथ की गई। इस अवसर पर नगर के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने भक्ति भाव के साथ धर्म ध्वज का पूजन कर आगामी महापर्व का संकल्प लिया। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

जैन समाज ने दिया अहिंसा का संदेश

बदनावर। युद्ध नहीं किसी समस्या का हल, जियो और जीने दो की करो पहल जैसे प्रभावशाली नारों के साथ भगवान श्री महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव पर वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के माध्यम से बदनावर सहित इंदौर एवं भोपाल में तख्तियों के जरिए शांति, अहिंसा और भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।

चल समारोह के दौरान जैन समाज के लोगों ने युद्ध नहीं शांति का हो विस्तार, सत्य अहिंसा प्यारा है, यही हमारा नारा है, वर्तमान को वर्द्धमान की आवश्यकता है जैसे प्रेरणादायक संदेशों से लिखी तख्तियां लेकर दया, करुणा, प्रेम, क्षमा और सौहार्द का वातावरण निर्मित किया। यह संदेश वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत हो रहा है।

उक्त जानकारी देते हुए वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी ने बताया कि हमारे द्वारा भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में वर्धमान 2550 नामक प्रकल्प की शुरुआत श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज के आशीर्वाद से की गई है। इस प्रकल्प का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक-आध्यात्मिक चेतना का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है।

संस्थान के राजेश मोदी एवं ललित गोधा ने बताया कि इस वर्ष महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर पहली बार संस्थान द्वारा तीन स्थानों से एक साथ तख्तियों के माध्यम से जन-जागरण का अभिनव प्रयास किया गया।

पिंजराया में 11 से होगी पं. कमलकिशोर नागर की कथा

आयोजन को लेकर हुई बैठक

व्यवस्था को लेकर बनाई समिति

नागदा। समीप ग्राम पिंजराया में मालवा माटी के संत पं.कमलकिशोर नागर के मुखारविंद से सप्तदिवसीय भागवत कथा का आयोजन होने जा रहा है।

कथा का आयोजन 11 अप्रैल से लेकर 17 अप्रैल तक प्रतिदिन 12 बजे से होगा। आयोजन से पूर्व बुधवार को कथा स्थल पर यजमान रतनसिंह गोहिल, मनोहरसिंह गोहिल, इन्दरसिंह गोहिल, निर्मलसिंह ?रघुवीरसिंह गोहिल दंपति व्दारा पं.विनायक शुक्ल,दिनेश शुक्ल के आचार्यत्व में ध्वज स्थापना कर पूजा-अर्चना की गई। कथा को लेकर आयोजन स्थल पर तैयारियां की जा रही है।

आयोजन को लेकर बैठक कर पेयजल, भोजन, पार्किंग आदि व्यवस्थाओं को लेकर समितियां बनाई गई। आयोजन प्रमुख रतनसिंह गोहिल ने बताया कि 11 अप्रैल को कथा प्रारम्भ से पूर्व कलश यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने श्रध्दालुओं से कथा आयोजन में शामिल होने का आग्रह किया। इस अवसर पर रामचन्द्र मारु,कुन्दन, गिरवरसिंह नारायणसिंह, दशरथसिंह पटेल, भगवान सिंह, चतरसिंह, मदन मोरी, मेहरबानसिंह पंचमुखी नारायणसिंह पंवार अनारद, घनश्यामसिंह पटेल, टकरावदा, कालूसिंह, ईश्वरसिंह, सुरेंद्रसिंह, राकेश कामदार, दिलीप पटेल , यशवंत मुकाती सहित कलसाड़ा, तीसगांव, पिपलिया बिलोदा, अनारद , पचलाना, चिड़ावद, बांकुरली, खेरोदा, मनासा आदि गांवों के लोग उपस्थित थे।

एक नजर में

धार के किला मैदान में प्रदर्शन कर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ राज्य व्यापी आंदोलन, हजारों शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

धार । शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन के तहत 8 अप्रैल को जिले भर के हजारों शिक्षकों ने अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर धार के किला मैदान में प्रदर्शन किया। यहां से शिक्षक रैली के रूप में तपती धूप में टीईटी के खिलाफ हाथों में बैनर पोस्टर लेकर आवाज बुलंद करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। धार में आयोजित धरना रैली प्रदर्शन में जिले के विभिन्न विकासखंडों के हजारों शिक्षक शामिल हुए। अब शिक्षक 11 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर और 18 अप्रैल को राज्य स्तर पर प्रदर्शन करेंगे। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि इसके बाद भी उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो स्कूलों में तालाबंदी कर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन राज्य शिक्षक संघ , आजाद अध्यापक संघ एनएमओपीएस आजक्स, लघु वेतन कर्मचारी संघ तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ नाटा कर्मचारी संघ आदि के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा के तहत शिक्षकों ने जिला स्तरीय प्रदर्शन में भाग लिया।

टीडब्ल्यूटीए के प्रदेश मीडिया प्रभारी/संयुक्त मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष मीडिया प्रभारी धार ने बताया कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून लागू होने के बाद वर्ष 2010 से शिक्षकों की नियुक्ति में टीईटी अनिवार्य किया गया था। लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को भी दो वर्षों के अंदर टीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने वाले शिक्षकों को सेवा से पृथक करने को कहा गया है। बस इसी फैसले से शिक्षकों में भारी आक्रोश उत्पन्न हो गया है। शिक्षकों ने प्रदेश सरकार से सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने सहित 2 मार्च को लोक शिक्षण संचालनालय और 26 मार्च को जनजातीय कार्य विभाग के जारी परीक्षा के आदेश को निरस्त करने की मांग की है। वहीं केंद्र सरकार से सेवारत शिक्षकों के पक्ष में अध्यादेश लाकर टीईटी से राहत देने की मांग की गई है। इसके अलावा प्रदेश के नवीन संवर्ग के शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने की भी ज्ञापन में मांग की गई है।